आफरी, जोधपुर द्वारा वन विज्ञान केन्द्र, राजकोट (गुजरात) के अंतर्गत तीन दिवसीय (01-03 नवंबर, 2022) प्रशिक्षण कार्यक्रम

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा वन विज्ञान केन्द्र, राजकोट (गुजरात) के अंतर्गत 31 वन विभाग के क्षेत्र पदाधिकारियों तथा 15 किसानों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, राजकोट में तीन दिवसीय (01 से 03 नवम्बर, 2022 तक) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. संदीप कुमार, भा.व.से., सी.एफ. (सामाजिक वानिकी), राजकोट एंव विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त श्री एम.एल. सोनल, भा.व.से., सी.सी.एफ., राजस्थान वन विभाग एंव डॉ. गोपाल मालवीय, प्रभागाध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, राजकोट थे| श्री एम. आर. बालोच, भा.व.से., निदेशक आफरी द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई एंव कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिलास सिंह, नोडल अधिकारी वी.वी.के., राजकोट द्वारा किया गया।

उदघाटन समारोह के पश्चात डॉ. संदीप कुमार भा.व.से., वन संरक्षक (सामाजिक वानिकी), राजकोट ने **"गुजरात राज्य के वानिकी क्षेत्र में जैव विविधता"** सेवानिवृत्त श्री एम.एल.सोनल, भा.व.से., ने **"जंगली जानवारों की जैव विविधता"**, श्री एम. आर. बालोच, भा.व.से., द्वारा **"साझा वन प्रबंधन"**, डॉ. गोपाल मालवीय ने **"सौराष्ट्र क्षेत्र में जैव विविधता से खेती-बाड़ी में लाभ"** एंव डॉ. बिलास सिंह ने **"कृषि वानिकी में जैव विविधता एंव जीवन यापन"** विषयों पर व्याख्यान देकर प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक क्षेत्र का भ्रमण करवाया गया। प्रायोगिक क्षेत्र हेमेन्द्रो बीड़ी तथा आर. एंड डी. सेंटर पर श्री ब्रह्मभट क्षेत्रीय वन अधिकारी (शोध) गांधीनगर तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, राजकोट के प्रायोगिक क्षेत्रों पर डॉ. जे.एच.चौधरी, वैज्ञानिक, के.वी.के., राजकोट ने महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रशिक्षणार्थियों को दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन श्री दीपक कुमार, वैज्ञानिक-बी, आफरी, जोधपुर ने **"मृदा एंव जल सरंक्षण से जैवविविधता में वृद्धि"**, डॉ. एम.एल. पटेल, वैज्ञानिक, सुखी खेती संशोधन केन्द्र, राजकोट ने **"कृषि पारितंत्र में विभिन्न कीट पतंगों का महत्व"**, डॉ. एच. जे. चौधरी, वैज्ञानिक,के.वी.के. राजकोट ने **"सौराष्ट्र क्षेत्र में कृषि फसलों प्रजाति में जैव विविधता एंव लाभ"** एंव श्री तुषार पटेल, उप वन सरंक्षक (सामाजिक वानिकी), राजकोट ने **"सतत विकास उद्देश्य"** विषयों पर व्याख्यान देकर प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. डी.एस. हीरापारा, वैज्ञानिक, सुखी खेती संशोधन केन्द्र, राजकोट, विशिष्ट अतिथि श्री तुषार पटेल, उप वन सरंक्षक एंव डॉ. एच. जे. चौधरी, वैज्ञानिक, के.वी.के. राजकोट ने अपने उदबोधन द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित किया। श्री दीपक कुमार, वैज्ञानिक-बी, धाना राम, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री अनिल सिंह चौहान, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एंव श्री ओम प्रकाश, तकनीकी सहायक द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आयोजित कराने में सहयोग किया गया।

कृषि वानिकी

कृषि वानिकी में जैव विविधता

VAN VIGYAN KENDRA, RAIKOT
ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE